यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2017

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 10

पूर्णांक : 100

नाम.....पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम.....जन्मतिथि.....मोबाइल.....रोल नं.....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हो । ( )
2. 97 अंक एवं सामायिक करने वाले 3 अंक प्राप्त कर सकते है। ( )

प्रश्न 1. निम्न शब्दों का शास्त्रीय शब्द लिखिए :- **10×1 = 10**

1. शाश्वत् .....
2. निर्मल चित वाला - .....
3. चित्त की एकाग्रता - .....
4. साधु समुह के मध्य में - .....
5. पर्वत को - .....
6. धर्म शास्त्र की - .....
7. सदाचारी - .....
8. अहंकार - .....
9. प्राणनाश - .....
10. आचार समाधि - .....

प्रश्न 2. गाथाओं का अर्थ लिखिए :- **10**

1. आसीविसो वावि परं सुरूट्ठो, किं जीवनासाउ परं न कुज्जा।

आयरियपाया प्रण अप्पसन्ना, अबोहि आसायण नत्थि मुक्खो।

.....

.....

.....

2. जहा निसंते तवणाच्चिमाली पभासई केवल भारहं तु ।

एवायरियो सुयसील बुद्धिए विरायई सुरमज्झे इन्दो।।

.....

.....

.....

3. पेहेइ हियाणुसासणं सुस्सूसइ, तं च पुणो अहिट्ए

न य माण मएणं मज्जई, विणय समाधि आययट्ठिए।।

.....

.....

.....

4. जिणवयणरए, अतितिणे पडिपुन्नायपमाययट्ठिए।

आयार समाहिसंवुडे भवइ य दंए भावसंधए ।।

.....

.....

.....

5. आयरियपाया पुण अप्पसना, अनोहि आसायण नत्थि मुक्खो।

तम्हा अजानाहसुहाभिकंखी, गुरूप्पसायाभिमुहो रमिज्जा ।।

.....

.....

.....

प्रश्न 3. मुझे पहचानो :- **12**

1. हम मनुष्य ही होते है, पर एक गांव में 29 रात से अधिक नहीं रूक सकते ?

2. मैं काम ज्वर से पीड़ित हो उठा ?

3. मेरा जीवन अनेकानेक चमत्कारिक घटनाओं से संबंद्ध है।

4. मैं चोर से चारित्रवान बन गया।

5. मैंने शास्त्रों के लेखन की सेवा मांगी ?

6. मुझे पर्वत, नदी, समुद्र आदि उपमाओ से उपमित किया गया है

7. हम माता के अंग है।

8. मेरे कारण जीव को निश्चित अवधि तक एक गति में रहना पड़ता है।

9. मेरे कारण जीव चोर दांत को प्राप्त करता है।

10. मेरे उदय से जीव को चोर दांत प्राप्त करता है।

11. मुझसे आत्मा सरल, शुद्ध और निर्मल बनती है।

12. मैं दंशमशक के समान कष्टदायक हूँ?

प्रश्न 4. निम्न गाथाओं को पूर्ण करो :- **7×3 = 21**

1. अणुसासिज्जो -

.....

.....

.....

2. यदि शांति-

.....

.....

.....

3. क्षात्रिराप -

.....

.....

.....

4. नाणेमेग्गग चित्तो-

.....

.....

.....

5. नमूं अनन्न

.....

.....

.....

6. जो पव्वयं

.....

.....

.....

7. नित्य नियम

.....

.....

.....

प्रश्न 5. सचित और अचित को अलग-अलग कीजिए :- **10**

1. हिंगलू -

2. डिस्विल वाटर

3. जलता घूप -

4. नींबू का सत -

5. काली मिर्ची -

6. सूखा बीज -

7. पालक की सब्जी -

8. पका केला -

9. चिप्स पर डाला नमक -

10. साजी का पानी

11. चक्रवात -

12. धोवन पानी बनाने के 15 मिनट तक -

13. नींबू का आचार 8 दिन पहले का

14. शक्ति

15. मैथी सिकी हुई

16. आम रस

प्रश्न 6. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- **10**

1. महाजीवी और महादायी का अर्थ लिखो-

.....

.....

2. सुंदरबाई के बंधन कैसे टुटे -

.....

.....

3. पानी के गर्भ की स्थिति लिखिए ?

.....

.....

4. साधु और श्रावक की 2 समानता लिखिए ?

.....

.....

5. लोकाशाह ने क्या संकल्प किया ?

.....

.....

6. सक्काराए किसे कहते है ?

.....

.....

7. संज्वलन कषाय किसे कहते है ?

.....

.....

8. कर्मों के आने के द्वार कितने है नाम लिखो ?

.....

.....

9. अनपवर्तनीय आयुष्य किसे कहते है ?

.....

.....

10. शील की 17 व 21 वा उपमा लिखिए ?

.....

.....

प्रश्न 7. सही जोड़ी बनाइए :- **10**

1. 27 गुण	–	4 वचन	.....
2. भस्मग्रह	–	प्रकृतिबंध	.....
3. भगवान महावीर	–	अजीविका वृत्ति	.....
4. आत्मसंयम	–	वनस्पतिकाय	.....
5. नामकर्म	–	24 वर्ष	.....
6. भिक्षावृत्ति	–	शोक	.....
7. योग	–	21 गुण	.....
8. मोहनीयकर्म	–	अशुभ	.....
9. तारा	–	सद्व्यवहार	.....
10. अन्तर्मूर्हत	–	आर्यमहागिरी	.....

प्रश्न 8. खाली स्थान भरिए :- **10**

1. जिसका हृदयं कोमल होता है वह परिजनों का ..... करता है।

2. गर्भस्थ जीव मुख से ..... नहीं कर सकता ।

3. ..... पूर्ण होने पर कर्म अज्मा से पृथक हो जाते है ?

4. ग्रहीत ..... पुद्गलों को शरीर में अपने-अपने स्थान पर एकात्रित करने वाला संघातन है ?

5. जो प्रकृति पिंडरूप नहीं परन्तु आकेली होती है उसे ..... कहते है।

6. जो कर्म वस्तु की प्राप्ति में बाधा डाले वह ..... है।

7. सिंहो में ..... श्रेष्ठ है?

8. ..... को भंग करने की अपेक्षा ..... श्रेष्ठ है

9. धर्म में तो अहिंसा ..... और ..... की आराधना का ही महत्व है ?

10. साधु प्रतिक्रमण में ..... की पाटी का उच्चारण करते है।

प्रश्न 9. दर्शनावरणीय कर्म का स्वभाव लिखिए ? 2

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 10. माता-पिता के अंग संतान के शरीर मं कितने काल तक रहते है ? 2

.....

.....

.....

.....